डीएवीवी पांच संस्थानों के साथ मिलकर बनाएगी पेस मेकर चिप

IIT व SGSITS करेंगे मदद, 4.96 लाख ग्रांट मिली

भास्कर संवाददाता| इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी, एसजीएसआईटीएस (श्री गोबिंदराम सेकसरिया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस) सहित प्रदेश के चार संस्थान आईआईटी इंदौर के साथ मिलकर एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम शुरू करेंगे। इसके तहत ये पांचों संस्थान दिल में लगने वाले पेस मेकर की चिप (नेक्स्ट ज़ेनरेशन चिप) बनाएंगे। इसके लिए इन संस्थानों को 4 करोड़ 80 लाख की ग्रांट भी दी गई है। हर संस्थान को 96 लाख रुपए मिलेंगे। केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक एंड इनफर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग ने यह प्रोजेक्ट सौंपा है। यह प्रोजेक्ट सेमी कंडक्टर में देश को आत्मनिर्भर बनाने के तहत शुरू किया गया है। इस पूरे प्रोजेक्ट आईआईटी इंदौर लीड करेगा। पांचों संस्थाओं को प्रोजेक्ट से संबंधित अलग-अलग जिम्मा सौंपा गया है।

चिप का उपयोग पीथमपुर की मल्टीनेशनल कंपनी करेगी

डीएवीवी की कुलपति प्रो. रेणु जैन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में आईआईटी जम्मू और ट्रिपल आईटीएम ग्वालियर भी शामिल है। पांचों संस्थान मिलकर पेस मेकर की चिप (नेक्स्ट जेनरेशन की) बनाने पर काम करेंगे। इसमें सभी संस्थानों के विशेषज्ञ जुटेंगे। डीएवीवी में आईईटी विभाग इस पर काम करेगा। खास बात यह है कि यह एडवांस टेक्नोलॉजी की चिप का उपयोग पीथमपुर स्थित एक मल्टीनेशनल कंपनी करेगी। यह कंपनी देशभर में पेस मेकर बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी है। कुलपति का कहना है कि आईआईटी इंदौर के नेतृत्व में सारे संस्थान प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करेंगे।

APPOIN